

पस्थित
स्थित
सही
की
गणत्र

7

15

स्थित

:

स

7

7

4/26 पत्रावली पेश हुई। वकील प्राची उपस्थित।
पत्रावली वास्ते आदेश प्राणपत्र धारा-212
R.T. Act दि. 05/05/26 को पेश हो

U
15/5/26

5/26 पत्रावली पेश हुई। वकील प्राची उपस्थित।
पत्रावली वास्ते आदेश दि. 22/05/26 को
पेश हो

U
05/5/26

22/05/26 पत्रावली पेश हुई। वकील प्राची उपस्थित। बटल एकतय
के परिपेक्ष में पत्रावली पर उपलब्ध रिकार्ड का
अवलोकन किया गया। ग्राम रूपारवेडी तहसील पिडा
की वादाग्रस्त भूमि 100 नं० 469 रकबा 0-03 बीबा बिल
कुआं एवं खण्ड 470 रकबा 0-01 बीबा प्राची व
॥ अन्य काश्तकारी की शामिल भूमि है जो मुख्य
सिंचाई का स्रोत है। प्राची द्वारा शामिल भूमि
के अन्य ॥ सहकारियों को जो कि necessary
party थे - पक्षकार नहीं बनाया है जिससे प्रणपत्र
defective है। प्राची ने प्रणपत्र के पैरा नं० 4 व 5
में स्वयं स्वीकार किया है कि वादाग्रस्त भूमि में
से खण्ड नं० 470 रकबा 01 बीबा बिल में मु. सु. सु.
को प्राची के पिता ने 8500/- रुपये में अप्राची 1
को रहत रख कर कब्जा सौंप दिया था और यह
कब्जा वर्ष 2021 से पूर्व से निरंतर चला आया

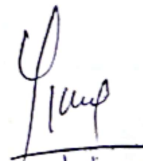


तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज

भी स्वीकार किया है। खण्ड 470 में कुछ खंडों
हैं, जो कुछ योग्य भूमि नहीं हैं। समस्त पहले जम
संग्रहण स्रोत रहा हो अतः यहां पक्का निर्माण
कर भूमि की किस्म एवं प्रकृति को बदलना तथा
खुद खुद करना राजस्व का अधिकारी अधिकारिण है।
राजस्थान भू-राजस्व अधिकारिण के प्रावधानों के
विषय हैं (detrimental work to agriculture land)
अतः प्रार्थी का प्रकृति डिस्टर्ब होत हुआ भी
न्यायाधीन में आंशिक रूप से स्वीकार कर
अप्रार्थी 1 को तामील मूलवाद इस आशय कि
असाई निषेधाज्ञा से पावत किया जाता है कि
वे खण्ड 470 पर पक्का निर्माण नहीं करे।
प्रकरण फैसल मुमाक दोकर नम्बर से काम होकर
मूलवाद के साथ सलगन हो।




22/5/26

उपखण्ड अधिकारी
पिपड़ा, जिला जयपुर (राज.)